A Prayer for Peace

शांति के लिए प्रार्थना

From unawareness of the open source
Thoughts of self and other arise
Resting on the false ground
Of imagined inherent existence.

खुले स्त्रोत की असजगता से
स्वयं और दूसरे के विचार उत्पन्न होते हैं,
एक झूठी बुनियाद पर आधारित
काल्पनिक अंतर्निहित अस्तित्व के।

Imagining myself to be real, and
Looking at others as mere resource
I select and reject in order to
Develop and maintain my identity.

खुद के वास्तविक होने की कल्पना करते हुए, और
दूसरों को मात्र संसाधन के रूप में देखते हुए
मैं चुनता और नकारता हूँ
अपनी पहचान विकसित करने और बनाए रखने के लिए।

With my sense of who I am
Others are deemed to be friend or enemy.
This ego-self seeks unimpeded mastery, and
Resistance is taken as insult and proof of guilt.

'मैं कौन हूँ' की मेरी समझ के साथ
दूसरों को मित्र या शत्रु मान लिया जाता है
यह अहंकार अबाधित महारथ चाहता है, और
अवरोध को अपमान एवं अपराध बोध के प्रमाण के रूप में लिया जाता है।

This deluded and deluding patterning
Imposed on ever-fresh occurrence
Is the root cause of war and conflict,
Of denigration and absence of empathy.

यह भ्रामकता और भ्रामक प्रतिरूपण
एकदम ताजा घटना पर थोपा हुआ
युद्ध और संघर्ष का मूल कारण है,
बदनाम करने और सहानुभूति की कमी होने का।

All appearances are empty of inherent existence.
Attributions of 'good' and 'bad' are applied to rainbows and clouds.
The unborn ungraspable is our source,
Our radiant field, and our apparitional dance.

दिखने वाले सब रूप अंतर्निहित अस्तित्व से शून्य हैं
'अच्छे' एवं 'बुरे' के आरोपण इंद्रधनुष और बादलों पर लागू होते हैं।
अजन्मा और पकड़ में ना आने वाला हमारा स्त्रोत है,
हमारा उज्जवल क्षेत्र, और हमारा अलौकिक नृत्य।

© James Low 2022

May the light of the Buddhas' love
Shine into the hearts of both
The fearful and the fearsome
Dispelling the dualistic reification that traps them.

काश बुद्धों के प्रेम का प्रकाश
उन दोनों के दिलों में चमके –
डरे हुए और डराने वालों के,
उन्हें फंसाने वाली द्वैतवादी धारणाओं को दूर करते हुए।

Buddhas, please dissolve the dark night of entities
With the dawning of awareness of non-duality.
May we live in the bright day of awareness and emptiness,
Clarity and emptiness, appearance and emptiness.

बुद्धों, कृपया इकाइयों की अंधेरी रात को समाप्त करें
अद्वैत के प्रति सजगता के उदय के साथ।
काश हम जिएं उज्जवल दिन में –
सजगता और शून्यता,
स्पष्टता और शून्यता, रुपता और शून्यता के।

In this timeless now may we all
Abide in peace, love and collaboration.
May the radiance at the heart of all beings
Soften their ego-shells and let the light of love shine forth.

इस कालातीत में अब हम सब
शांति, प्रेम और सहयोग में बने रहें।
काश सभी प्राणियों के हृदय का आलोक
उनके अहं-कोष को नरम करे और प्रेम के प्रकाश को चमकने दे।

James Low, February 2022.
Translated by Divya Gupta Mar 2022

© James Low 2022